महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र

(भा.कृ.अनु.प. - कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगअनुसंधान संस्थान कानपुर)

चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर (उ०प्र०)-273165

अंक – 02 | समाचार – पत्रिका | फरवरी, 2022

सम्पादक मंडल

मुख्य संपादक

डा0 विवेक प्रताप सिंह
(वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष)

संपादक

डा0 अजीत कुमार श्रीवास्तव
(वि.व. वि. – उद्यान)

डा0 राहुल कुमार सिंह
(वि.व. वि. – कृषि प्रसार)

डा0 संदीप प्रकाश उपाध्याय
(वि.व. वि. – मृदा विज्ञान)

श्री अवनीश कुमार सिंह
(वि.व. वि. – सस्य विज्ञान)

श्रीमती श्वेता सिंह
(वि.व. वि. – गृह विज्ञान)

संकलन एवं सहयोग
श्री गौरव कुमार सिंह
(कार्यक्रम सहायक - कम्प्यूटर)

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र,चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर (उ०प्र०) द्वारा प्रकाशित

Email– gorakhpurkvk2@gmail.com
Website – http://www.mgkvk.in/
Facebook- https://www.facebook.com/mgkvk
Twitter – https://www.twitter.com/mgkvk
Youtube – https://www.youtube.com/channel/UCdZ8rAP_IDHeU6Ic5sNNYEw

महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र
एक नजर में

कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना कृषि एवं संबंधित विषयों की नवीनतम तकनीकों के स्थानांतरण एवं प्रसार द्वारा जनपद के सर्वांगीण विकास हेतु गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान के नियंत्रण में गोरक्षपीठाधीश्वर पूजनीय महंत श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज द्वारा की गई। इस केन्द्र का शिलान्यास 23 अक्टूबर 2016 एवं उद्घाटन 2 मार्च 2019 को तत्कालीन केंद्रीय मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार श्री राधा मोहन सिंह जी के द्वारा किया गया। यह केंद्र भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद – कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर द्वारा वित्तपोषित है। यह केन्द्र गोरखनाथ की पवित्र धरती पर स्थापित होने की वजह से इस केंद्र का पूरा नाम महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र रखा गया। यह केन्द्र गोरखपुर जनपद से 35 किलोमीटर दूरी पर गोरखपुर – सोनौली मार्ग पर पीपीगंज रेलवे स्टेशन से 8 किलोमीटर दूरी पर (अक्षांश 26.929971, देशांतर 83.240244) पीपीगंज – बढ़या चौक मार्ग पर स्थित है। कृषि विज्ञान केन्द्र के पास 20.56 हेक्टेअर का प्रक्षेत्र है जिस पर प्रमुख रुप से गेहूँ, धान, सरसो, चना, तिल, गन्ना, अरहर इत्यादि फसलों का बीज उत्पादन किया जाता हैं।

संदेश

प्रो. उदय प्रताप सिंह
उपाध्यक्ष, प्रबन्ध समिति
गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान
गोरखनाथ, गोरखपुर

वर्तमान समय में कृषि उत्पादन लागत को कम करने एवं गुणवत्तायुक्त अधिक उत्पादन प्राप्त करने हेतु यह आवश्यक है कि कृषकों तक नवीनतम कृषि अनुसंधान एवं कृषि तकनीकियों को पहुँचाया जाए। महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर इन नवीनतम तकनीकियों को निरंतर कृषकों तक पहुँचाने में तत्पर हैं जिससे कृषकों का आर्थिक एवं सामाजिक स्तर सुधारा जा सके।

महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा प्रकाशित मासिक न्यूज लैटर का यह अंक केन्द्र द्वारा किए गए एवं किए जाने वाले कार्यों के साथ-साथ नवीनतम कृषि तकनीकियों का प्रसार गांव-गांव एवं घर-घर पहुँचेगा, जो सभी वर्ग के किसानों के लिए लाभप्रद होगा।

(उदय प्रताप सिंह)

महाययोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, गोरखपुर द्वारा फरवरी, 2022 में किये गये कार्य

1. प्रशिक्षण कार्यक्रम

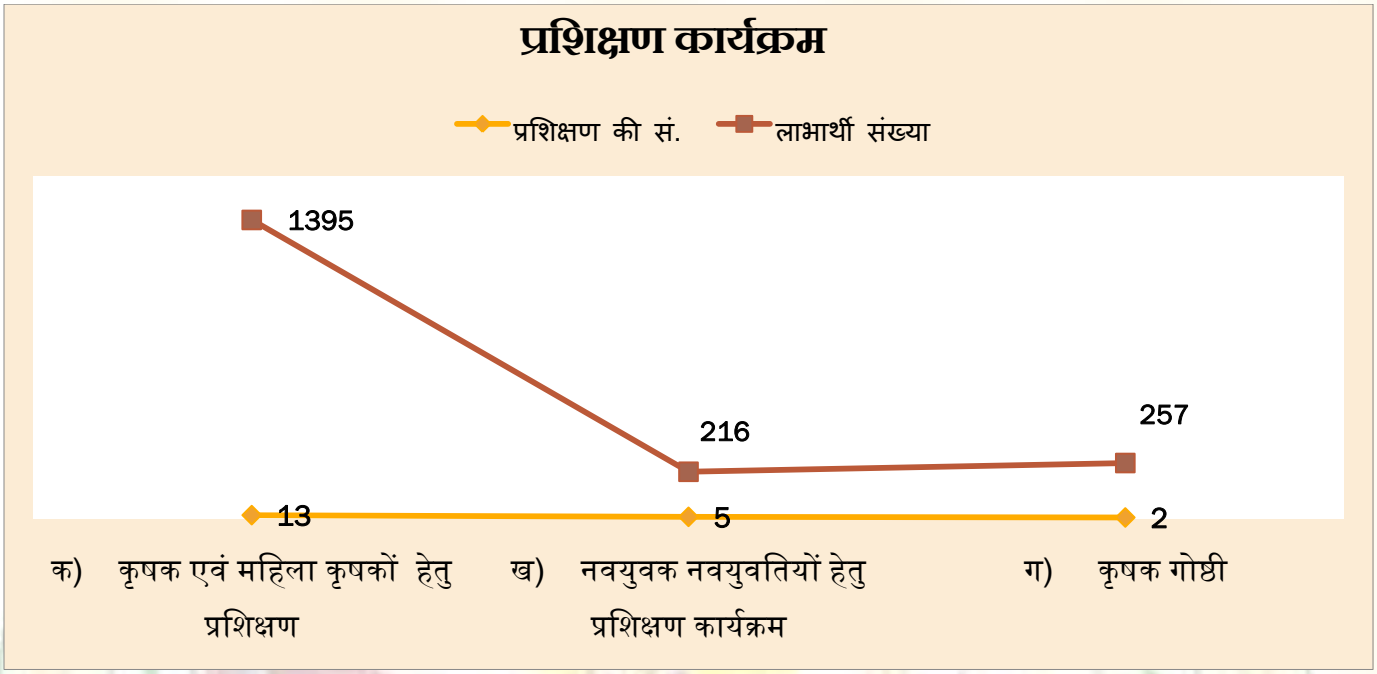

2. अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

फसल/उद्यम का शीर्षक	क्षेत्रफल हे०/ सं०	लाभार्थी संख्या
क) सरसो में सल्फर पोषक तत्व प्रबन्धन	02	14
ख) चने में जैव उर्वरक प्रबंधन का प्रदर्शन	2.5	10
ग) गेंदा की उन्नतशील प्रजाति पूसा नारंगी का का प्रदर्शन	0.25	10
घ) मधुमक्खी पालन का संवर्धन	01	40
ङ) प्याज की उन्नतशील प्रजाति एग्रीफाउंड लाइट रेड का प्रदर्शन	0.25	10
च) बरसीम की उच्च उत्पादक प्रजाति (BL-43) का प्रदर्शन	02	30
छ) गेहूं की उच्च उत्पादक प्रजाति (DBW 187) का प्रदर्शन	06	45
ज) सरसों की उच्च उत्पादक प्रजाति (variety- PM 31) का प्रदर्शन	10	25

3. प्रक्षेत्र परीक्षण

शीर्षक	लाभार्थी संख्या
क) स्कूल जाने वाले बच्चों के स्वास्थ्य सुधार के लिए पोषक लड्डू का मूल्यांकन	10
ख) सब्जी मटर की उन्नतशील प्रजाति काशी मुक्ति का परीक्षण	05
ग) चने की फसल में आई.पी.एम. द्वारा फली बेधक कीट का प्रबंधन पर परीक्षण	05

4. प्रसार गतिविधियां

शीर्षक गतिविधियां	संख्या	लाभार्थी
क) **वैज्ञानिकों का कृषक प्रक्षेत्र पर भ्रमण**	**30**	**53**
ख) **कृषकों का कृषि विज्ञान केन्द्र पर भ्रमण**	**90**	**90**
ग) **मोबाइल सलाह**	**81**	**सामूहिक**
घ) **समाचार पत्र प्रकाशन**	**41**	**सामूहिक**

प्रक्षेत्र परीक्षण में दिये जाने वाले आदान

❖ दिनांक 07/02/2022 को प्रक्षेत्र परीक्षण "स्कूल जाने वाले बच्चो के स्वास्थ्य संवर्धन हेतु पोषक लड्डू का मूल्यांकन" के अंतर्गत गृह वैज्ञानिक डॉ. श्वेता सिंह द्वारा पोषक लड्डू का वितरण चयनित प्रायोगिक समूह के लाभार्थियों को किया गया।

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम

❖ केंद्र के गृह विज्ञान विशेषज्ञ श्रीमती श्वेता सिंह, द्वारा दिनांक- 07/02/2022 को "स्वास्थ्य संवर्धन हेतु किचन गार्डेन में मौसमी सब्जियों का उत्पादन" विषय पर महिला कृषकों को प्रशिक्षण दिया गया।

❖ केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉ. राहुल कुमार सिंह द्वारा केंद्र पर दिनांक- 10/02/2022 को "विश्व दलहन दिवस के अवसर पर" पर एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। इस अवसर पर केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव एवं गृह वैज्ञानिक डॉ. श्वेता सिंह द्वारा तकनीकी जानकारी कृषको को दिया किया।

❖ दिनांक 09-14/02/2022 एवं 15-19/02/2022 तक राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की स्वयं सहायता समूह की महिलाओ हेतु "मशरूम उत्पादन तकनीक" विषय पर पांच दिवसीय दो प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिसमे महिला कृषको से मशरूम उत्पादन पर प्रायोगिक कार्य भी कराया गया।

❖ दिनांक 17/02/2022 को केंद्र के मृदा विशेषज्ञ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय एवं उद्यान विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव द्वारा ग्राम मुस्तफाबाद ब्लाक पाली में समेकित कीट प्रबन्धन विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग कर कृषक बंधुओ को आवश्यक जानकारी दी।

❖ केंद्र के गृह विज्ञान विशेषज्ञ श्रीमती श्वेता सिंह द्वारा दिनांक- 18/02/2022 को कपड़े पर बारीक एवं स्टेन्सिल प्रिंटिंग करने का प्रशिक्षण 22 महिलाओं को दिया गया।

❖ केंद्र पर दिनांक 20/02/2022 से 24/02/2022 तक एन.आर.एल.एम. अंतर्गत संचालित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को रोजगार सृजन हेतु " व्यवसायिक मौनपालन" विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कराया गया।

❖ केंद्र के उद्यान विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव, द्वारा दिनांक 22/02/2022 को किसानो को "आय सवर्धन हेतु मचान विधि द्वारा लौकी एवं खीरा उत्पादन" विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ संदीप प्रकाश उपाध्याय एवं श्री अवनीश कुमार सिंह ने मशरुम एवं सब्जी बीज उत्पादन पर भी आवशयक जानकारी दी गयी।

❖ केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉ. राहुल कुमार सिंह द्वारा केंद्र पर दिनांक- 25/02/2022 को "सरकारी योजना द्वारा किसान उत्पादक कम्पनी के निर्माण एवं संवर्धन" विषय पर एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कराया गया।

❖ दिनांक 26/2/2022 को केंद्र के मृदा विशेषज्ञ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय द्वारा ग्राम रामूडीहा ब्लाक पिपराइच में कद्दुवर्गीय फसलों में समेकित पोषक तत्व प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण दिया गया।

❖ दिनांक 01/02/22 को महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र, चौकमाफी पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत जनपद महराजगंज के 40 महिलाओं को कृषि एवं पशुपालन से रोजगर सृजन पर प्रशिक्षण तथा प्रक्षेत्र भ्रमण कराया गया।

❖ दिनांक 02/02/22 को केंद्र पर भेड़ एवं बकरी पालन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में कृषको को खनिज लवण, अंतः एवं वाह्य परजीवी हेतु कृमिनाशक दवाओं का वितरण भी किया गया।

❖ दिनांक 08/02/22 को पशु पोषण प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषको को खनिज लवण, अंतः एवं वाह्य परजीवी हेतु कृमिनाशक दवाओं का वितरण भी किया गया।

❖ दिनांक 03/02/22 को केंद्र द्वारा कैम्पियरगंज के जंगल बिहुली में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 80 से अधिक महिला एवम पुरुष पशुपालक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत मे पशुपालको को उनके पशुओ हेतु खनिज लवण, अंतः एवं वाह्य परजीवी नियंत्रण हेतु दवाओं का निःशुल्क वितरण भी किया गया

❖ दिनांक 09/02/22 को केंद्र द्वारा कैम्पियरगंज के नयागांव गाँव में पशुपालको को प्रशिक्षण के साथ-साथ 110 पशुपालकों को उनके पशुओं हेतु खनिज लवण, अन्तः एवं वाह्य परजीवीयों के नियंत्रण हेतु निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया गया।

❖ दिनांक 16/02/22 को केंद्र द्वारा कैम्पियरगंज के मुहम्मदपुर पचवारा ग्राम में प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से 67 कृषको को उनके पशुओ हेतु खनिज लवण, अंतः एवं वाह्य परजीवी नियंत्रण हेतु दवाओं का निःशुल्क वितरण भी किया गया।

❖ दिनांक 04/02/22 को केंद्र द्वारा कैम्पियरगंज के इंद्रपुर ग्राम में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम मे 130 से अधिक पशुपालको को उनके पशुओ हेतु खनिज लवण, अंतः एवं वाह्य परजीवी नियंत्रण हेतु दवाओं का निःशुल्क वितरण भी किया गया।

❖ दिनांक 24/02/22 को कुक्कुट पालन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में पशुपालकों को उनके पशुओं हेतु खनिज लवण, अन्तः एवं वाह्य परजीवीयों के नियंत्रण हेतु निःशुल्क दवाओं एवं भिन्डी के बीज का वितरण भी किया गया।

❖ दिनांक 23/02/22 को केंद्र द्वारा कैम्पियरगंज विधानसभा के मथाबारी ग्राम में प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से मे 68 कृषको को भिन्डी के बीज के साथ-साथ उनके पशुओ हेतु खनिज लवण, अंतः एवं वाह्य परजीवी नियंत्रण हेतु दवाओं का निःशुल्क वितरण भी किया गया।

❖ दिनांक 28/02/22 को केंद्र द्वारा कृषक गोष्ठी का आयोजन कैम्पियरगंज विधानसभा के लोहारपुरवा गांव में किया गया। जिसमे 200 से अधिक कृषको ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में कृषको माइक्रो न्यूट्रिएंट्स एवं भिंडी की पूसा 5 प्रजाति का वितरण भी किया गया।

❖ दिनांक 17/02/22 को केंद्र द्वारा पिपराईच के रामपुर गोपालपुर ग्राम में प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से मे 98 कृषको को भिन्डी के बीज के साथ-साथ उनके पशुओ हेतु खनिज लवण, अंतः एवं वाह्य परजीवी नियंत्रण हेतु दवाओं का निःशुल्क वितरण भी किया गया।

❖ दिनांक 21/02/22 को केंद्र द्वारा पशुपालन पर प्रशिक्षण का आयोजन कैम्पियरगंज के तिघरा गांव में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर यू पी सिंह, उपाध्यक्ष, महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र, पीपीगंज मौजूद रहे। प्रशिक्षण में 300 से अधिक कृषको ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में कृषको माइक्रो न्यूट्रिएंट्स एवं भिंडी की पूसा 5 प्रजाति का वितरण भी किया गया।

❖ दिनांक 15/02/22 को मछली पालन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत मे कृषको को खनिज लवण, अंतः एवं वाह्य परजीवी हेतु कृमिनाशक दवाओं का वितरण भी किया गया।

❖ दिनांक 21/02/22 को वर्मी कंपोस्ट की उपयोगिता पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर यूपी सिंह उपाध्यक्ष महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र चौक माफी मौजूद रहे। कार्यक्रम में कृषको को माइक्रो न्यूट्रिएंट्स एवं भिंडी की पूसा 5 प्रजाति का बीज वितरण किया गया।

❖ दिनांक 22/02/22 को पशु पोषण प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में पशुपालकों को उनके पशुओं हेतु खनिज लवण, अन्तः एवं वाह्य परजीवीयों के नियंत्रण हेतु निःशुल्क दवाओं एवं भिन्डी के बीज का वितरण भी किया गया।

प्रक्षेत्र भ्रमण

❖ दिनांक 03/02/2022 को केंद्र के उद्यान विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव द्वारा ग्राम जंगल बिहुली ब्लाक काम्पियरगंज में श्री जगदीश सिंह जी के केले की प्रजाति G9 के प्रछेत्र में भ्रमण किया गया। प्रछेत्र में निराई- गुड़ाई की आवश्यकता एवं 13-00-45 का 75 ग्राम प्रति 15 ली० पानी में मिलाकर छिड़काव करने की सलाह दी ।

❖ दिनांक 09/02/2022 को केंद्र के मृदा विशेषज्ञ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय द्वारा ग्राम नायगांव ब्लाक जंगल कौड़िया में केंद्र के द्वारा मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण प्राप्त स्वयं सहायता समूह की महिलाओ का भ्रमण किया गया तथा उनके द्वारा उत्पादित ओएस्टर मशरूम पानी छिड्काव रखरखाव सम्बन्धित आवश्यक सलाह दी । मशरूम की अवस्था अच्छी पाई गयी।

❖ दिनांक 10/02/2022 को केंद्र के मृदा विशेषज्ञ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय द्वारा करीमनगर ब्लाक चरगांवा में महिला उद्यमी श्रीमती नीलम पाण्डेय के यहाँ ओएस्टर मशरूम इकाई का भ्रमण किया गया तथा पानी छिड्काव रखरखाव सम्बन्धित आवश्यक सलाह दी । मशरूम की अवस्था अच्छी पाई गयी।

❖ दिनांक 17/02/2022 को केंद्र के मृदा विशेषज्ञ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय द्वारा ग्राम मुस्तफाबाद ब्लाक पाली में श्री विष्णु प्रताप सिंह जी के गेहूं की प्रजाति DBW- 187 की पंक्तिबद्ध बुवाई के प्रछेत्र में भ्रमण किया गया । गेहूं की ऊंचाई कल्लो का निरिक्षण किया गया एवं फसल की अवस्था अच्छी पायी गयी।

❖ केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉ. राहुल कुमार सिंह एवं गृह वैज्ञानिक श्वेता सिंह द्वारा दिनांक 25-02-2022 को भरोहिया विकास खंड के हरपुर गाँव में राजू सिंह के मधुमक्खी पालन प्रक्षेत्र का भ्रमण कर आवश्यक सुझाव दिया गया।

कैम्पियरगंज के विभिन्न गावों में कृषको को सब्जी के बीज एवं उनके पशुओ हेतु खनिज लवण, अन्तः एवं वाह्य परजीवीयों के नियंत्रण हेतु निःशुल्क दवाओं एवं भिन्डी के बीज का वितरण

मार्च माह के मुख्य खेती-बाड़ी के कार्य

फसलोत्पादन एवं प्रबंधन

- गेहूँ की फसल इस समय दाना भरने अथवा दाना सख्त होने की अवस्था में है। इस अवस्था में मिट्टी में नमी की कमी होने से उपज में कमी आ जाएगी, अत: किसान भाई अपनी फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। किसान भाई यह ध्यान रखें कि गेहूँ का मामा (जो एक खरपतवार है) तथा लूज स्मट (अनावृत कंड) रोग से ग्रसित बालियाँ (जिसमें सभी बालियाँ काले चूर्ण का रूप ले लेती है एवं उसमें दाने नही बनते है) अगर दिखाई पड़े तो उन्हें पोलीथीन के थैली से ढककर तोड़ लें तथा उन्हें जलाकर किसी गढ्ढे में दबा कर नष्ट कर दें। साथ ही साथ यह ध्यान रखें कि रोगी बालियों को काटते समय उसका चूर्ण जमीन पर नहीं गिरने दे। इससे तैयार अनाज की गुणवत्ता बढ़ जाती है। यह प्रक्रिया उन किसान भाईयों के लिए अति महत्वपूर्ण है जो अगले वर्ष इस फसल को बीज के रूप में व्यवहार करना चाहते है।
- राई-सरसों की कटाई 75% फलियों के सुनहरे होने पर करनी चाहिए। इस अवस्था में दानों में तेल की मात्रा अधिक रहती है।
- आलू पौधे के पत्ते पीले पड़ने लगे तथा तापमान बढ़ने पर हल से कोड़ाई कर देनी चाहिए। कोड़ाई के बाद आलू कन्दों को छप्परवाले घर में फैला कर कुछ दिन रखना चाहिए ताकि छिलके कड़े हो जाए।

मृदा विज्ञान

- कदुवर्गीय सब्जियों का भी यह उपयुक्त समय है। इनमे पोषक तत्वों की मात्रा 60:40:40::N:P: K किग्रा/हे. के अनुपात में उपयोग किया जाना चाहिए।
- भूमि में पोषक तत्वों की कमी जानने के लिए मृदा परीक्षण करवा लें तथा भूमि में उर्वरको का प्रयोग मृदा परिक्षण के आधार पर करें।

मौनपालन

- प्रक्षेत्र का चयन कर, मौनवंशों का समय से माईग्रेशन करें।
- मौनगृह के तलपट पर सम्बंधित उपकरणों को पोटैशियम परमैगनेट/ लाल दवा से एक बार धुलाई करें।
- माइट के प्रकोप से बचने के लिए मौनगृह के तलपट की समय-समय पर सफाई करते रहें।
- अत्यधिक पुराने एवं काले पड़ चुके छत्तों को नष्ट कर दें तथा उनकी प्रतिपूर्ति मोमी छात्ताधर लगाकर नए छत्तों का निर्माण कराकर कर लिया जाए ताकि मौनवंशों की गुणवत्ता प्रभावित न हो।
- गतवर्ष की अधिक शहद उत्पादन करने वाले सशक्त मौनवंशों को मात्र मौनवंश की श्रेणी में रखते हुए इनसे मौनवंशों का संवर्धन सुनिश्चित किया जाए।
- मौनगृह से बी पोलेन इकट्ठा करने का उपयुक्त समय है, बी पोलेन ट्रैप का प्रयोग एक दिन के अंतराल पर करें।
- मौनवंश का लगातार निरीक्षण कर समय से विभाजन सुनिश्चित करें।
- मौनगृह को जुट के बोरे अथवा मोटे कपडे से ढकें।

पशुपालन

- पशुओं को पीने के लिए स्वच्छ जल का व्यवस्था करें ।

- थन कटने पर सबसे पहले उसे साफ़ पानी से धोकर उसके उपर एंटीसेप्टिक क्रीम का उपयोग करना चाहिए। अगर क्रीम नहीं हो तो पोटाश के पानी से धोकर फिटकिरी पीस कर लगाना चाहिए। जाड़े के मौसम में दूध दोहने के पहले थन को गर्म पानी से धोना चाहिए और दोहने के उपरान्त नारियल तेल या सरसों तेल लगाना चाहिए दुधारू पशुओं में थैनेला रोग से बचाव के उपाय करें एवं साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें।
- जिन पशुओ को मुँहपका तथा खुरपका का टीका नही लगा है उन्हें टीका अवश्य लगवायें।
- पशुओं को अन्त:परजीवी नाशक दवाई पशु – चिकित्सक की सलाह अनुसार नियमित दें।
- पशुओं को संतुलित आहार दें।
- पशुओ के आहार में खनिज मिश्रण एवं नमक का प्रयोग करें।

सब्जियों की खेती

- प्याज में प्रति हेक्टेअर नाइट्रोजन की सम्पूर्ण मात्रा 100 किग्रा. मात्रा का 1/3 भाग (72 किग्रा. यूरिया) रोपाई के 30 दिन बाद सिचाई कर टाप ड्रेसिंग करें ।
- ग्रीष्म कालीन सब्जियों जैसे भिन्डी, लौकी, खीरा, खरबूजा, तरबूज, नेनुआ, आदि की बुवाई की तैयारी कर ले।
- ग्रीष्म कालीन सब्जियों के बीज की बुवाई पोलिथीन के बैग एवं प्रो ट्रे में करें ।

फलों की खेती

- आम में भुंनगा कीट से बचाव हेतु मोनोक्रोटोफास 1.5 मिलीलीटर या इमिडाक्लोर्प्रिड 1.0 मिली. प्रति 3 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करे।

पुष्प व सगंध पौध

- गर्मी वाले मौसमी फूलो जैसे पोर्चुलाका, जीनिया, सुन्फ्लोवर, कोचिया, नारंगी, गोमफ्रिना आदि के बी जो को एक मीटर चोडी तथा आवशयकातानुसार लम्बाई की क्यारिया बनाकर बीज की वुआई कर दे।

संपर्क सूत्र			
नाम	**पद**	**विषय**	**मो.नं.**
डा0 विवेक प्रताप सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	पशुपालन	**07651922058**
डा0 अजीत कुमार श्रीवास्तव	विषय वस्तु विशेषज्ञ	उद्यान	**08787264166**
डा0 राहुल कुमार सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	कृषि प्रसार	**07007275688**
डा0 संदीप प्रकाश उपाध्याय	विषय वस्तु विशेषज्ञ	मृदा विज्ञान	**09621437547**
श्री अवनीश कुमार सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	सस्य विज्ञान	**09792099943**
श्रीमती श्वेता सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	गृह विज्ञान	**09453158193**